

# मीरा बाईसा पर आपत्तिजनक बयान देने पर राजपूत समाज में आक्रोश

जयपुर। युवा शक्ति संघेजन के सूख्ख्य ध्वजवाहक शक्ति सिंह बांदीकुई ने आज कानून मंत्री और बीकानेर सांसद अर्जुनराम मेघवाल के भवत शिरोमण मीरा बाईसा के पाए गए आपत्तिजनक और गलत बयानों के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

बांदीकुई ने कहा, “इतिहास पर हमले रह हमले हो रहे हैं, और अब तो सरकार के कानून मंत्री तक हमारे आदर्शों और परंपराओं पर भर बयान देने से नहीं चूक रहे। मंत्री द्वारा मीरा बाईसा के जीवन और हमारे गौवेशाली इतिहास के बारे में किए एगे मनगढ़िया दावों ने केवल क्षत्रिय समाज, बल्कि

समस्त सनातनी समाज की भावनाओं को आहत किया है।”

उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्री का यह कहना कि मीरा बाईसा के पति कुंवर भोजराज की मृत्यु उद्धृत हुई थी, ऐतिहासिक रूप से पूर्वी तरह से गलत है। “भोजराज खानवा के युद्ध से छह वर्ष पहले ही स्वर्ण सिंहराज चुके थे, इसके अलावा, मंत्री मेघवाल का यह दावा कि विवाह के एक साल बाद भोजराज की मृत्यु हो गई थी, भी गलत है। भोजराज का निधन विवाह के साथ ही, उन्होंने कहा कि मंत्री को मीरा बाईसा का समय में मां पीरा ने स्वर्ण उठे अपनी देवर उनसे विवाह करना चाहता था।

“यह बयान हमारी क्षत्रिय परंपरा और गोद में लेन्हर अपने पद पधारो श्रीजी

■ माफी मांगे कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, अन्यथा देशव्यापी आंदोलन होगा

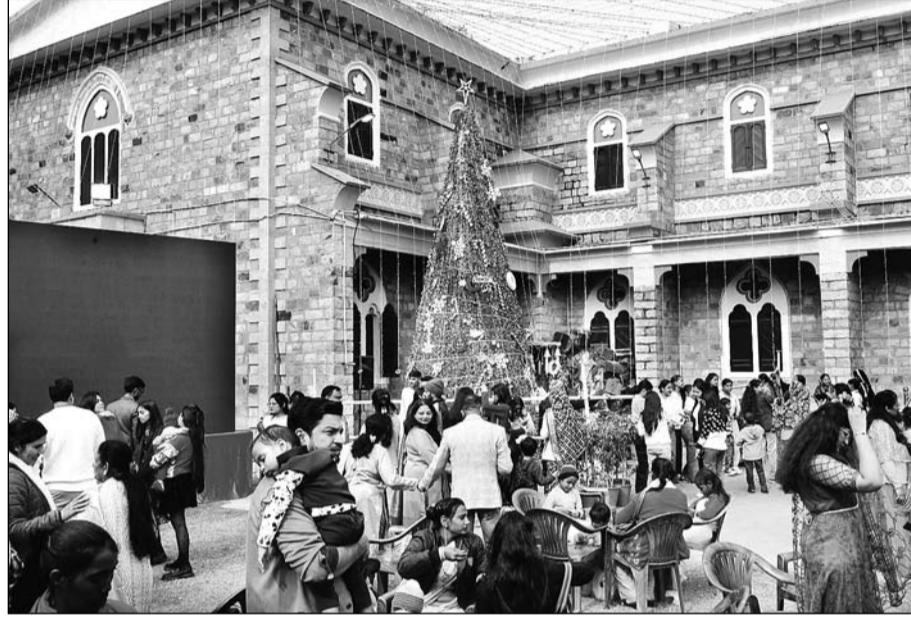
संग सरकार, खुले हैं मन मंदिर के द्वारा, तुम्हारी दासी करें इतजार, पधारो श्रीजी राजस्थान और क्षत्रिय समाज से जीवन कराया था।”

शक्ति सिंह बांदीकुई ने मंत्री के

क्षत्रिय समाज में देवर और भाषी के रिश्ते को पवित्रता और मां-पुत्र समाज माना जाता है। इस तरह के निराधार बयान न केवल हमारे समाज के आर्थिक वर्दीकरण करते हैं, बल्कि इतिहास के साथ भी छेड़छाड़ करते हैं।

अंत में, शक्ति सिंह बांदीकुई ने नेताओं को आगाह करते हुए कहा, “मीरा बाईसा को जाति और धर्म की सीमाओं में बांधी रखने का प्रयास न करों। उनके गुरु संत रविंद्रनाथ जी संदेश दिया, वह समाज के हर वर्ग और हर धर्म को जोड़ने का था। ऐसे पवित्र व्यक्तित्व पर सक्ता जान बांटने की कोशिश न करों।”

## धूमधाम से मनाया क्रिसमस का त्यौहार



जयपुर में चांदपाल स्थित सेंट एंड्रयूज चर्च में ईसाई श्रद्धालुओं ने क्रिसमस ट्री बनाकर एक-दूसरे को बधाई दी।

चर्च में सजी झाँकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। प्रधीर योगी से जुड़ी झाँकियों को देख यहां लोग मंत्र मुख्य हो गए। इसके साथ ही छोटी-छोटी झाँकियां भी बाहर गईं थीं और उस दौर के परिवेश को खिलाने की कारिश्मा की गई थीं। रंग बिरंगी लाइंग लोगों को अपनी और आकर्षित कर रही थीं। निराधारों की रोने देखते ही बन रही थीं। रंगीन परंपरों से सजे और रोशनी से जगमगाए चर्च में खास सजावट की गई। घर-घर क्रिसमस ट्री लगाए गए और क्रिसमस के लिए एगे मनीसी भ्रमी भूमि को याद कर एक-दूसरे को केक खिलाकर क्रिसमस की बधाई दी।

चर्चीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

ईसाई प्रकार धारागेट स्थित सेक्रेड चर्च, विद्याधरनगर स्थित पेंटेकोस्टल चर्च, चर्चीयों के ज्ञानवाले ने एक-दूसरे को बधाई दी।

धर्मीयों की योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की शिक्षाओं को अपनाने पर जोर दिया। लोगों ने योगी के प्रकाश की कामना की और खुशी को धर्मांकन किए।

धर्मीयों में योगी के जन्म की दशाती हुई झाँकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ईसाई धर्मगुरुओं ने विशेष पार्थिव समाजों में योगी की